**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

**\*\*\*\*\***

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1115**

**23 मार्च, 2012 के लिए प्रश्‍न**

**विषय : उर्वरकों पर राज सहायता के लाभ ।**

**1115 श्री परवेज हाशमी** :

क्‍या **कृषि मंत्री** यह बताने की कृ‍पा करेंगे कि :

**(क)**  क्‍या उर्वरकों पर राजसहायता दिए जाने का उद्देश्‍य खाद्यान्‍नों के उत्‍पादन को बढ़ावा देना है;

**(ख)**  यदि हां, तो अन्‍य विकसित देशों की तुलना में खाद्यान्‍नों की लक्षित मात्रा का उत्‍पादन नहीं दिए जाने के कारण क्‍या हैं;

**(ग)** क्‍या यह सच है कि उर्वरक उत्‍पादक कंपनियों की तुलना में कृषि क्षेत्र को राजसहायता का लाभ प्राप्‍त नहीं हो रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है ?

उत्‍तर

कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍यमंत्री (डा0 चरण दास महन्‍त)

1. से (घ) कृषि उत्‍पादन केवल उर्वरकों पर ही आधारित नहीं है बल्कि यह अन्‍य कारकों जैसे वर्षा, बीज, कीटनाशकों, सिंचाई, जलवायु आदि पर भी निर्भर करता है। किसानों को उचित मूल्‍यों पर उर्वरकों की उपलब्‍धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा उर्वरकों पर राजसहायता प्रदान की जा रही है और कृषि उत्‍पादकता बढ़ाने के लिए उर्वरकों की संतुलित और अधिकतम उपयोग को भी बढ़ावा दे रही है। पिछले दो वर्षों के लिए उर्वरक खपत, राज सहायता भुगतान और खाद्यान्‍नों का ब्‍यौरा निम्‍नलिखित है:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| वर्ष  | खपत (लाख टन में)  | राज सहायता (करोड़ रू0 में)  | खाद्यान्‍नों का उत्‍पादन मी.टन  |
| 2009-10  | 524.76  | 64.032  | 218.11 |
| 2010-11  | 565.02  | 65,837  | 244.78  |